सिटी एंकर

आईआईएम रायपुर में रखा गया ओरिएंटेशन प्रोग्राम, अमन सिंह ने स्टूडेंट्स को किया मोटिवेट

यंगस्टर्स को बिजनेसमैन बनाने और जॉब दिलाने में मददगार साबित होगा कौशल विकास अधिकार कानून: अमन सिंह

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

आईआईएम रायपुर के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) की नौवीं और फैलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) की सातवीं बैच के ओरिएंटेशन प्रोग्राम की शुक्रवार को शुरुआत हुई। कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी, आवास एवं पर्यावरण विभाग और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव व नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) के अध्यक्ष अमन कुमार सिंह बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए। उन्होंने आईआईएम में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि प्रबंधन के क्षेत्र में अपने को योग्य और बेहतर बनाने के लिए हर तरह की कौशल विधा से वाकिफ होना जरूरी है। अमन सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य की प्रमुख नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं के लिए कौशल उन्नयन की नीति का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने विधानसभा में कानून बनाकर अपने राज्य के युवाओं को मनपसंद व्यवसायों में प्रशिक्षण पाने का कानूनी अधिकार दिया। कौशल उन्नयन का यह कानूनी अधिकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर दिलाने में सहायक होगा।

उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से भी स्टूडेंट्स को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नया रायपुर 21वीं सदी के भारत का पहला स्मार्ट और हरित शहर के रूप में विकसित हो रहा है। नया रायपुर स्मार्ट सिटी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों लोकार्पित एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केन्द्र के बारे में भी बताया और कहा कि यह देश का पहला ऐसा केन्द्र है, जहां आधुनिक संचार उपकरणों के जरिए नया रायपुर के निवासियों की बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता आदि की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा सकेगा। सिंह ने आईआईएम के स्टूडेंट्स को नया रायपुर और वहां के एकीकृत कमांसड एवं नियंत्रण केन्द्र विजिट करने के लि इन्वाइट भी किया। उन्होंने स्टूडेंट्स को बताया कि यह एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केन्द्र सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे काम करने वाला केन्द्र है। इसमें एक ही छत के नीचे सभी नागरिक सेवाओं की मॉनिटरिंग करने की सुविधा है।

कार्यक्रम को आईआईएम रायपुर के निदेशक भरत भास्कर ने भी संबोधित किया। भास्कर ने इस तथ्य पर विशेष जोर दिया कि परिवर्तन के बिना प्रगति असंभव है। इसके लिए व्यक्ति को समय के अनुरूप अपनी सोच में बदलाव के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

Dainik Bhaskar 23rd June 2018, P.17